Under CSR Support by Ipca Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

अध्याय-1 | दो बैलों की कथा | प्रेमचंद

Worksheet-1

बहुविकल्पी प्रश्न

1. **गया के घर में झूरी के बैलों को रोटियाँ किसने दी थीं?**

(अ) गया ने
(ब) सहायकों ने
(स) गया की पत्नी ने
(द) छोटी लड़की ने

2. **दो बैलों की कथा नामक पाठ के संदर्भ में बैल कब कहाँ पहुँच गए?**

(अ) संध्या के समय खेत पर
(ब) संध्या के समय गया के घर
(स) संध्या के समय कांजीहौस
(द) संध्या के समय झूरी के घर

3. **दो बैलों की कथा नामक पाठ के संदर्भ में कहानी के अंत में मालकिन बैलों से कैसा व्यवहार करती है?**

(अ) पुचकारती है
(ब) मारती है
(स) माथे को चूम लेती है
(द) झिड़कती है

4. **प्रेमचंद का जन्म कहाँ हुआ?**

(अ) वाराणसी के पास गहमी गाँव में
(ब) आगरा के पास फतेहपुर में
(स) बनारस के पास लमही गाँव में
(द) इलाहाबाद के पास लमही गाँव में

5. **दो बैलों की कथा नामक पाठ के संदर्भ में बैल का जन्म लिया है तो मरने से कहाँ तक बचेंगे यह कथन किसका है?**

(अ) गया का
(ब) झूरी का
(स) मोती का
(द) कांजीहौस के चौकीदार का

6. **नीलामी में दोनों बैलों को कोई नहीं खरीद रहा था, फिर दढ़ियल ने क्यों खरीदा? [दो बैलों की कथा]**

(अ) उनसे बैलगाड़ी खीचने के लिए
(ब) उनसे बदला लेने के लिए
(स) काटकर उनका मांस बेच सके
(द) उनसे खेती करने के लिए

7. **नीलामी के समय लोग हीरा-मोती में क्या देखकर मुँह नहीं बिचकाते थे? [दो बैलों की कथा]**

(अ) उनकी पूँछ और सींग को देखकर
(ब) उनके जर्जर शरीर को देखकर
(स) मरियल शरीर को देखकर
(द) निकली हुई पसलियों को देखकर

8. **दो बैलों की कथा नामक पाठ के संदर्भ में बालसभा ने क्या निश्चय किया?**

(अ) दोनों बैलों को अभिनन्दन पत्र दिया जाए
(ब) दोनों बैलों को गया के पास भेज दिया जाए
(स) दोनों बैलों को गाँव से बाहर किया जाए
(द) दोनों बैलों को खाना दिया जाए

9. **दो बैलों की कथा नामक पाठ के संदर्भ में दढ़ियल आदमी कौन था?**

(अ) पेशे से एक व्यापारी था
(ब) पेशे से एक गायक था
(स) पेशे से एक किसान था
(द) पेशे से एक कसाई था

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. गया और उसके साथी हीरा और मोती को पीटने से क्यों रुक गए?

(अ) खेतवाले की आँखों में क्रोध देखकर
(ब) हीरा की आँखों में भयंकर क्रोध देखकर
(स) मोती की आँखों में भयंकर क्रोध देखकर
(द) झूरी की आँखों में क्रोध देखकर

रिक्त स्थान :

11. कांजी हौस में चौकीदार _____ आया था।

12. प्रेमचंद का निधन _____ में हुआ।

सत्य / असत्य

13. हीरा-मोती पंद्रह दिन तक कांजीहौस में बंधे पड़े रहे।

14. हीरा मोती मूक भाषा में एक दूसरे से बात करते थे।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. हीरा और मोती कसाई के किस कार्य से भयभीत हो गए?

16. 'दो बैलों की कथा' कहानी की भाषा की विशेषता क्या है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. गया के घर हीरा और मोती ने स्वयं को अपमानित महसूस किया, क्यों?

18. हीरा-मोती किस प्रकार सहयोग एवं प्रेम करते थे? इससे आपको क्या शिक्षा मिलती है?

निबंधात्मक प्रश्न

19. 'दो बैलों की कथा' के आधार पर सिद्ध कीजिए कि एकता में शक्ति है।

20. गया के घर से भागकर आए हीरा-मोती को देख झूरी, बच्चे और उसकी पत्नी ने किस प्रकार प्रतिक्रिया व्यक्त की?

HOTS

21. सिद्ध कीजिए हीरा नरम विचारों तथा मोती गरम विचारों वाला क्रांतिकारी है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

अध्याय-1 | दो बैलों की कथा | प्रेमचंद

Worksheet-1
उत्तरमाला

Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan

1. (द) गया के घर में झूरी के बैलों को रोटियाँ छोटी लड़की ने दी थीं।
2. (ब) दो बैलों की कथा नामक पाठ के संदर्भ में बैल संध्या के समय गया के घर पहुँच गए।
3. (स) दो बैलों की कथा नामक पाठ के संदर्भ में कहानी के अंत में मालकिन बैलों के माथे को चूम लेती है।
4. (स) प्रेमचंद का जन्म 1880 में बनारस के पास लमही गाँव में हुआ था।
5. (स) बैल का जन्म लिया है तो मरने से कहाँ तक बचेंगे, यह कथन मोती का है।
6. (स) नीलामी में दोनों बैलों को कोई नहीं खरीद रहा था, फिर दढ़ियल ने उन्हें खरीदा, ताकि वह काटकर उनका मांस बेच सके।
7. (अ) नीलामी के समय लोग हीरा-मोती के पूँछ और सींग को देखकर मुँह नहीं बिचकाते थे।
8. (अ) दो बैलों की कथा नामक पाठ के संदर्भ में बालसभा ने निश्चय किया कि दोनों बैलों को अभिनन्दन पत्र दिया जाए।
9. (द) दो बैलों की कथा नामक पाठ के संदर्भ में दढ़ियल आदमी पेशे से एक कसाई था।
10. (स) गया और उसके साथी हीरा और मोती को पीटने से रुक गए क्योंकि मोती की आँखों में भयंकर क्रोध था।
11. **रिक्त स्थान :** हाजिरी लेने
12. **रिक्त स्थान :** 1936 में
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** सत्य
15. हीरा और मोती कसाई के द्वारा उनके कूल्हों में उँगलियों से मांस टटोलने के कार्य से भयभीत हो गए।
16. 'दो बैलों की कथा' कहानी की भाषा सरल, सजीव, मुहावरेदार हैं। प्रेमचंद की विशेषता साधारण शब्दों में रचना कर लोगों तक अपना संदेश पहुंचाना था। इसलिए उन्होंने आम बोलचाल भाषा का प्रयोग किया है।
17. गया के घर पर हीरा-मोती ने स्वयं को अपमानित महसूस किया क्योंकि गया ने अपने घर पर हीरा-मोती को तो खाने के लिए सूखा भूसा डाल दिया और अपने बैलों को खली, चूनी, चोकर दिया। इसके अलावा वह हीरा-मोती को पीटता भी था और उनसे सारे दिन सख्ती से काम करवाता था ।
18. हीरा-मोती एक साथ ही नाँद खाने के लिए मुँह डालते थे और तथा साथ ही मुँह हटाते थे। हल में जोतते समय दोनों का यह प्रयास रहता कि ज्यादा भार हमारे कंधे पर आए | दोनों ने मुसीबत में भी एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ा। इससे हमें परस्पर सहयोग से काम करने, प्रेम करने एवं सच्ची मित्रता करने की सीख मिलती है।
19. गया के घर सेजब बैल दूसरी बार भागे तो वे दोनों (हीरा और मोती) रास्ता भूल चुके थे। दोनों भूखे थे इसलिए दोनों ने एक खेत में हरी-हरी मटर खाई और पेट भर जाने पर अपने सींग भी मिलाए। अचानक उन्हें सामने से एक विशाल साँड़ आता हुआ दिखाई दिया । भयंकर सूरत वाला यह साँड़ अपने घमंड में फूला था। साँड़ अकेला ही उन पर भारी था। दोनों खुद को उससे बचाने का उपाय सोचने लगे । अंततः दोनों ने यह योजना बनाई कि यदि वह हीरा पर वार करे तो मोती उसकी बगल में सींग चुभो देगा और जब वह मोती पर हमला करेगा तब हीरा ऐसा करेगा। हीरा-मोती ने योजनानुसार ही काम किया और साँड़ को जख्मी कर दिया। जब साँड़ बेदम होकर गिर पड़ा तो हीरा-मोती ने उसे छोड़ दिया। यदि दोनों एक होकर साँड़ का मुकाबला न करते तो जान से हाथ धो बैठते। इस प्रकार कह सकते हैं कि एकता में शक्ति है।
20. गया के घर से भागकर आए हीरा-मोती को देखकर झूरी स्नेह से गदगद हो गया। वह उन्हें प्यार से गले लगाकर चूमने लगा। गाँव के सभी बच्चों ने तालियाँ बजाकर दोनों बैलों का स्वागत किया। हीरा-मोती उनके लिए किसी विजयी से कम नहीं थे।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें जहाँ चाहें जैसे चाहें।
100% FREE
Video Courses | Quiz | PDF | Test Series
Download Mission Gyan App

बच्चों ने उन्हें सम्मानित करने का मन बनाया। ईनाम स्वरुप उनके लिए कोई बच्चा अपने घर से रोटियाँ, कोई गुड़, कोई चोकर और कोई भूसी आदि ले आया। झूरी की पत्नी दोनों बैलों को अपने द्वार पर आया हुआ देखकर जल-भुन गई | वह उन्हें नमकहराम कहने लगी। उसने झूरी से कहा कि ये दोनों काम के डर से वहाँ से भाग आए हैं। उसने नौकर को चेतावनी दे दी कि इन्हें खाने को सूखा भूसा ही दिया जाए।

21. पशु-पक्षियों को ईश्वर ने एक विशेष शक्ति प्रदान की है जो मनुष्य में नहीं है, वह शक्ति है मूक भाषा में बात करना । हीरा और मोती गहरे मित्र थे। वे एक-दूसरे से बिना कुछ कहे एक-दूसरे के भावों को समझ जाते थे। उनके पास अवश्य कोई ऐसी शक्ति थी, जिससे ऐसा होता था। मनुष्य स्वयं को प्राणियों में श्रेष्ठ मानता है पर उसके पास यह शक्ति नहीं है कि वह दूसरों के मनोभावों को समझ सके।

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App